पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

साप्ताहिक

समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 17 | अंक 40 | प्रति सोमवार इंदौर, 06 से 12 मई 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

विश्व का सबसे षड्यंत्रकारी घातक संगठन का विश्वभर में

टीके से करोड़ों की मौत के तांडव का सच आया सामने

World Health Organization

माडर्ना फाइजर जॉनसन एंड जॉनसन एस्ट्रोजेनिका सबके फर्जी टीके से विश्व भर में लगभग पिछले 3 सालों में 15 करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत हुई।

पूरे विश्व भर में वर्णसंकर अमेरिकियो उसके विश्व भर के राष्ट्रो की सरकारो को खरीद कर जालसाजी पूर्ण तरीके से वहां के प्राकृतिक एवं मानव निर्मित संसाधनों को कब्जा करने जनता को लूटने गुलाम बनाने डराने धमकाने के षड्यंत्रों को पूरा करने विश्व शैतान संघ यूनाइटेड नोटोरियस ऑर्गेनाइजेशन वह उसके सभी अनुसांगिक संगठनो विश्व घातक संगठन वर्ल्ड हजार डस ऑर्गेनाइजेशन, विश्व घातक व्यापार संगठन वह उन सभी प्रकार के संगठन जो पिछले 100 सालो से ज्यादा समय से पूरी दुनिया को नाच लूटने बर्बाद करने म्यूट का तांडव करने ड्रग व फुड ट्रायल कर मोटी कमाई करने के षड्यंत्र को अंजाम देने के लिए नए-नए विभित्र तरीके अपनाते हैं उसका ही सन 2020 में अपनाया गया फर्जी कोरोना बीमारियो का षड्यंत्र भी जनता के सामने आ चुका है।

विश्व घातक संगठन ने देश व दुनिया की आबादी को चंद दुनिया के सूअर पूंजीपतियो बिल गेट जिसको उसकी मॉडर्ना द्वारा बनाई गई वैक्सीन से अमेरिका मरीन कॉप्स के इसी वैक्सीन की लगाने के बाद 72 घंटे के अंदर 7000 सैनिको की मौत के कारण बिल गेट को 27 जुलाई 2021 को गिरफ्तार करके 1 अक्टूबर 2021 को अमेरिका की सबसे खतरनाक जेल और यातना ग्रह गुआंतिनमों में फांसी पर लटका दिया गया था। जिसका सच और realrawnews.com अमेरिका की साइट पर बिल गेट अरेस्टेड एंड हैंग्ड पर देखा जा सकता है।

वॉलमार्ट का वारेन बुफेट, अमेजॉन वह अन्य सो 200 रक्षा डकैत जलसा स्कूलो की पत्तियो के सारेपर दुनिया की आबादी को 780 करोड़ से घटकर 200 करोड़ पर लाना है यही उद्देश्य भारत में 140 करोड़ की आबादी

को खत्म कर 40 करोड़ पर लाकर दुनिया को और देश के सारे संसाधनों पर उनको अपना कब्जा करने का षड्यंत्र का हिस्सा है।

विश्व घातक संगठन और उसको धन देने वाली बहुराष्ट्रीय दवा उत्पादक स्वास्थ्य चिकित्सा उपकरण टीका इंजेक्शन आदि आदि बनाने वाली कंपनियो से मोटा धन खाकर मोदी ने हिंदुओं की मौत का खुलकर 10 सालो में तांडव रचा।

मैं तो कोरोना के बारे में भी बोल रहा था डरिए मत सर बहुराष्ट्रीय कंपनियो की सारे छोटे व्यापारियो दुकानदारो मंडियो बाजारो को खात्म करने व उन सभी व्यापारियो, दुकानदार छोटे उद्योगो को खत्म करने और 24 घंटे टीवी मोबाइल समाचार पत्रों में दहशत बांटकर मौत का तांडव किया जा रहा है। और बीमारी का भय फैला कर बचाने के नाम पर जो टीके लगाने का अचानक मौत देने का तांडव किया जा रहा है।इसके ढेर सारे वीडियो मैंने युट्युब पर मार्च अप्रैल में मे लोड किये। पर जून 15, 2020 को उसने लगातार कोरोना के खिलाफ बोलने के कारण मेरे को ब्लॉक कर दिया। पर बहुत सारे वीडियो फेसबुक पर समय माया के नाम से अगर आप खोजेंगे तो मिल जाएंगे उसमें लगातार कहता रहा। सभी प्रकार के टीके के बारे में दिसंबर 2020 से टीका लगना शुरू हुआ था। तभी से बोल रहा था कि यह सारे तकविश्व घटक संगठन की मौत का पैगाम है जो धीरे-धीरे करके लोग अचानक मृत्यु का अकाल शिकार होंगे। मोदी ने ही 5 करोड़ हिंदु कोरोना का भय फैला मरवा डाले। पिछले 4 साल में प्रतिदिन डेढ़ से 2 लाख हिंदु बच्चो से बूढ़ो तक कोरोना के टीके से मर रहे हैं। पर जानबूझकर सन 2021 में इसीलिए जनगणना नहीं करवाई गई कि सारा सच सामने आ जाएगा और उसका सच देखना है तो मोबाइल कंपनियो के पूरे देश भर में हर दिन कितने मोबाइल हमेशा के लिए बंद हो रहे हैं। उसकी जानकारी से मालूम पड़ सकता है कि सचमुच टीके के घातक प्रभाव से कितने लोग प्रतिदिन अकाल मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। **(शेष पेज 2 पर)**

भारत की तेल कंपनियों को लाखों करोड़ों का लाभ

जनता से चौगुना से ज्यादा पैट्रोल में लूट

बेशक पेट्रोल-डीजल गैस में सबसे ज्यादा लूट अंबानी-अडानी कर रहे पर जनता को कोई छूट नहीं

रूस यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर यूरोप और अमेरिकी प्रतिबंधो के कारण रूस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से 25% छठ के साथ अपनी मुद्रा में भुगतान करने की छूट देने से भारत और चीन की पेट्रोल आयात करने के बिल मे भारी कमी आने के साथ सभी तेल कंपनियों ने20 से 30 गुना ज्यादा लाभ कमाया। इसके विपरीत सरकार के सारे पर नाचने वाले भारत के मीडिया ने इस सच को छुपा कर उल्टे ही हाल ही में शुरू हुए इजरायल गाजा और ईरान के युद्ध के कारण जनता को भारी डराया चमकाया की युद्ध होने के कारण विश्व भर में तेल की कीमते कई गुना ज्यादा पहुंच जाएंगे। पर इसके पूर्व का सच जिसमें न केवल भारत सरकार की तेल कंपनियां और और मोदी मित्र अंबानी जो सबसे ज्यादा निजी क्षेत्र में पेट्रो क्रूड का आयात करता है। उसका दूसरा परम मित्र अदानी जो टोटल गैस के नाम से सभी गैस पंपो में सीएनजी और पीएनजी सप्लाई करता है। ने ने $60 पर बैरल के पेट्रोल पर 25% छठ के कारण 45 डॉलर वह भी अपनी मुद्रा में करने का जो विकल्प था उसका सबसे ज्यादा फायदा मोदी मित्रो के साथ तेल कंपनियो ने उठाया परंतु मोदी ने जनता को जो 5 गुना ज्यादा कीमत पर तेल बेच रहा था कोई छूट नही दी और ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर रु. 2 कम कर दिए गए। यही मोदी जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में 120 डॉलर का पेट्रोक्रूड बिक रहा था। और भारत सरकार देश में रु. 80 प्रति लीटर पेट्रोल बेच रही थी तब महंगाई चिल्लाता था। अब जबरस से भारी आयात के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजारो में छींटे गिरकर 60 डॉलर पहुंच गई तब भी जो पेट्रोल तेल कंपनियों के दोगुनी लाभ के बाद में भी 35 40 बिकना चाहिए था। रु. 110 से रु. 120 लीटर बिक रहा है। उसे पर भी मीडिया जनता को युद्ध के नाम पर डरा धमका कर कीमत से बढ़ाने की बात करता है। **(शेष पेज 6 पर)**

निर्धन बच्चे पढ़ ना सकें, नए नए कानून, परेशानियां खड़ी की जा रही

12वीं के बाद ऊंची पढ़ाई करने में नए-नए अड़गे

ऑनलाइन पंजीयन में बताना होगा नौकरी करेंगे या व्यवसाय

पिछले 10 वर्षों में जब से भाजपा की सरकार आई है पूरी तरह से अपने 1930 के एजेंडा जिसमें 95% लोगो को गरीब और भिखारी बनाकर रखने का षड्यंत्र किया है। इसके लिए उसने सरकारी नौकरियो में भर्तीयां बंद कर दी हैं। अधिकांश शासकीय उपक्रमो, कार्यालयो मंत्रालयो तक में अब ठेका कर्मियो, दैनिक वेतन भोगी, कर्मियो, बाह्य कर्मियो से से कर लेना शुरू कर दिया है ताकि मंत्रालयो में मंत्रियो के स्तर पर किया जाने वाले भ्रष्टाचार को करने के बाद में भी कोई भी भ्रष्टाचार जानकारी लूट डकैती पकड़ी जाए। और करने वाले कर्मचारियो से काम करवा कर उनको आसानी से हटा, भगा दिया जाए।

ताकि कोई भी लूट डकैती भ्रष्टाचार जालसाजियां करने को करवाने के बाद में किसी को समझ में ना आए और मंत्री संत्री भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारी आसानी से स्थाई कर्मचारी अधिकारियो के अभाव में षड्यंत्र शुरू करने के साथ हल्ला मचने पर आसानी से बच निकले की कहानी का हिस्सा होने के साथ ही आने वाले भविष्य में जो उच्च जाति के निर्धनो, निम्न जाति के गरीब छात्रो को उच्च शिक्षा प्राप्त ही ना कर सकेके लिए इस वर्ष से प्रवेश परीक्षा में ही इतने सारे कानून अड़गे कागजात मांगने शुरू करने के साथ ही साथ आपको प्रवेश के समय ही बताना पड़ेगा कि आप भविष्य में नौकरी करेंगे व्यवसाय करेंगे और नौकरी करेंगे तो कौन सी करेंगे सरकारी करेंगे या निजी क्षेत्र में करेंगे।

(शेष पेज 6 पर)

सत्ता ही बलात्कारियों की संरक्षक

सत्ता ही अपराधियों भ्रष्ट नेताओं से भरी हो तो

पीएम मोदी बलात्कारियों के संरक्षक हो गए हैं। कोई भी बलात्कार कर के आये या फिर लड़कियों और महिलाओं को छेड़कर आए उनकी सरकार में उसकी सुरक्षा की गारंटी है। अगर वह बाबा है तो 100 फीसदी। पार्टी का सदस्य है तो 100 फीसदी। और समर्थक है तो नेताओं के संपर्कों और पार्टी के प्रति उसकी वफादारी के आधार पर यह तय होगा। ऐसे लोगों की लंबी लिस्ट है नाम गिनाने लगेंगे तो पूरा पन्ना भर जाएगा और आप पढ़ते-पढ़ते थक जाएंगे। सेंगर से लेकर साक्षी और स्वामी चिन्मयानंद से लेकर बृजभूषण तक लंबी फेहरिस्त है। वैसे तो जनाब ने बेटी बचाओ.. का नारा दिया था लेकिन अब माता-पिताओं के लिए ये नौबत आ गयी है कि उन्हें इनके नेताओं से ही अपनी बेटियां बचानी पड़ रही हैं।

अब कल का ही ले लीजिए। महिलाओं से जुड़ी तीन घटनाएं सामने आयीं। जिसमें सत्ता और पूरी व्यवस्था आरोपियों के पक्ष में खड़ी होती दिखी। तीनों में महिलाओं का उत्पीड़न या बलात्कार करने वाले जीते। एक ऐसे मौके पर जब पूरा देश मणिपुर की घटना से आक्रोशित था और उसे किसी भी कीमत पर मणिपुर की महिलाओं के लिए न्याय और सरकार की तरफ से ठोस कार्रवाई की उम्मीद थी तब हरियाणा की जेल में बंद बलात्कार के दोषी बाबा राम रहीम को एक बार फिर पैरोल पर छोड़ दिया गया। हर तीसरे महीने वह जेल से बाहर पैरोल पर होता है। मानो जेल न हुई पर्यटन स्थल हो गया। जहां वह सिर्फ घूमने के लिए जाता है बाकी समय जेल से बाहर होता है। और यह सब कुछ सूबे के बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व की सहमति के बगैर संभव नहीं है। यह है हरियाणा और देश की बेटियों के लिए बीजेपी का संदेश।

दूसरी घटना दिल्ली के भीतर घटती है। महीनों महीना पहलवान बेटियों ने आंदोलन किया और जब पूरे देश को उसमें शामिल किया तब जाकर आरोपी सांसद बृजभूषण शरण के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो पायी और अब जब चार्जशीट दायर होने के बाद वह अदालत में पेश हुए हैं तो उन्हें खड़े-खड़े जमानत मिल गयी। इसके पहले अपने सांसद को जेल न जाना पड़े उसके लिए पीएम मोदी ने क्या कुछ किया उसको पूरे देश ने देखा। जिसका नतीजा यह रहा कि बाहर घूम-घूम कर बृजभूषण महिला पहलवानों को न सिर्फ चिढ़ा रहे हैं बल्कि मीडिया के कैमरों के सामने विक्ट्री का साइन कर अट्टहास कर रहे हैं। क्या यह सब कुछ बगैर पीएम और गृहमंत्री की मर्जी के संभव है?

अनायास नहीं जब बेल की अर्जी बृजभूषण के वकील ने जज के सामने पेश की तो बजाय उसका सीधे विरोध करने के दिल्ली पुलिस, जो सीधे गृहमंत्रालय के तहत आती है, कहती है कि वह न विरोध करती है और न समर्थन सब कुछ जज के ऊपर छोड़ देती है। अब अगर इसी तरह से पुलिस किसी आरोपी-अपराधी के खिलाफ मुकदमा लड़ेगी तो उसका नतीजा क्या होगा उसे आसानी से समझा जा सकता है।

और तीसरा मामला जिस पर पूरा देश आलोड़ित था। मामला कितना गंभीर था इसका अंदाजा सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप और उसकी भाषा से समझा जा सकता है। जिसमें सीजेआई ने कहा कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो वह करने के लिए बाध्य होंगे। जनता से लेकर न्यायपालिका के इन दबावों के बाद आखिर क्या हुआ?

लोगों को इस बात की उम्मीद थी कि कम से कम मुख्यमंत्री का हटाया जाना तो लगभग तय है। लेकिन यह क्या वह मुख्यमंत्री न केवल अपनी कुर्सी पर सही सलामत है बल्कि उसने पूरी बेशर्मी के साथ ऊल-जुलूल बयान दिए। उसका कहना था कि ऐसी तो ढेर सारी घटनाएं हुई हैं, जो सामने नहीं आ पायीं। यानि इस एक घटना से आपको उद्वेलित नहीं होना चाहिए। और बड़ा कलेजा बनाइये और उससे बड़ी घटनाओं के लिए तैयार रहिए। और रोकने की जगह जनाब पैर तोड़कर बैठे रहेंगे या फिर अपराधियों के साथ खड़े रहेंगे इसकी उन्हें खुली छूट मिलनी चाहिए। लेकिन इस बेशर्मी भरे बयान का भी पीएम मोदी ने संज्ञान नहीं लिया। या फिर यह सब कुछ उनके इशारे पर हो रहा था। जैसी कि इस मामले में देश को पीएम और उनकी सरकार से उम्मीद थी वह रत्ती भर भी उस पर खरे नहीं उतरे। और कार्रवाई के नाम पर एफआईआर में दर्ज एक हजार अज्ञात आरोपियों में से एक की गिरफ्तारी की गयी है। यही है दिन भर चले राष्ट्रीय कवायद का हासिल।

दो महीना बाद उन्होंने चुप्पी ज़रूरी तोड़ी लेकिन उसमें उन महिलाओं के प्रति संवेदना कम उनकी राजनीतिक कुटिलता ज्यादा दिखी। एक ऐसे समय जब पूरे देश की आंखें पनीली थीं। और हर कोई न्याय की उम्मीद में सत्ता के शीर्ष की तरफ देख रहा था। तब उस समय देश के नेतृत्व की आखिर क्या जिम्मेदारी बनती है? अमूमन तो जब संसद चल रही है तो उसकी पहली जिम्मेदारी बनती है कि वह अपना कोई बयान बाहर देने की जगह संसद के भीतर दे। लेकिन पीएम ने सदन को इसके लिए नहीं चुना। वह संसद के बाहर मीडिया से रूबरू हुए और वहां उन्होंने मणिपुर की घटना पर अपना रोष ज़रूर जाहिर किया लेकिन इस रोष और पीड़ा के मुताबिक उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। और पूरे वक्तव्य को मणिपुर पर केंद्रित करने की जगह उन्होंने उसमें राजस्थान और छत्तीसगढ़ को भी लपेट लिया।

अब कोई पूछ सकता है कि भला राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी क्या निर्वस्त्र कर महिलाओं को परेड कराने की इस तरह की कोई घटना घटी है। इस बात में कोई शक नहीं कि इन सूबों में भी महिलाओं के साथ उत्पीड़न की घटनाएं घट रही हैं। लेकिन इसको जाहिर करने का क्या यही मौका था? एक ऐसा दृश्य देश के मानस पटल पर सामने आया है जिसे देखने वाले कम से कम अपने जीते-जी नहीं भुला पाएंगे। उसी रोष और उम्मीद भरे भाव से वो सरकार की तरफ देख रहे थे। तब ऐसे मौके पर आप अपनी पूरी बात मणिपुर पर केंद्रित करने और उसके जरिये पीड़ितों की चोट पर मलहम लगाने की जगह अपनी कुटिल राजनीति का नमूना पेश कर रहे हैं।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ को शामिल कर आप ने उस पूरी घटना को डायलूट कर दिया। आप ने इस तरह पेश किया मानो वह कोई सामान्य घटना हो और दूसरे सूबों में नियमित तौर पर घट रही हो। आप कोई कार्रवाई करें न करें लेकिन इस घटना के प्रति आपके इस कैजुअल रवैये ने भावनाओं को शांत करने की जगह और चोटिल कर दिया है। रवीश ने ठीक ही कहा था कि अगर यही बोलना था तो मुंह खोलने की क्या जरूरत थी प्रधानमंत्री जी।

बाद में संसद के दोनों सदनों में विपक्ष आप से बयान की मांग करता रहा लेकिन आपने उसको बिल्कुल अनसुना कर दिया। उसने मणिपुर के मसले पर सारे कामकाज को रोक कर बहस की मांग किया तो आप के पक्ष ने उसे खारिज कर दिया। जबकि एक दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने वाले राजनाथ सिंह ने विपक्ष को इसका भरोसा दिलाया था। और जब यह घटना घट गयी तो उसके बाद विपक्ष का यह पक्ष और मजबूत हो जाता है। लेकिन सत्ता है कि उसे कुछ सूझ ही नहीं रहा है। और वह अपने अहंकार में चूर है।

टीके से करोड़ों की मौत के तांडव का सच आया सामने

पेज 1 का शेष

यही कारण है कि मैं मोदी को करोड़ो हिंदुओं का सबसे बड़ा हत्यारा लिखता हूं। लगातार विश्व घातक संगठन का और बीमारी का सच बता विडियो डाल कर आपने देखा मध्य प्रदेश को पूरे देश भर में 2 महीने में ही खोलने के लिए मजबूर होना पड़ा। जबकि देश 8 महीने तक नही खोला गया और दुनिया दो ढाई साल तक नही खुली बेशक यह 28 महीने का विश्व व्यापी दुनिया की जनता को खत्म करने का षडयंत्र था। जिसका सच बहुत धीरे-धीरे सामने आ रहा है परंतु आ अवश्य रहा है।

पर भक्तो स्वीकार नही करोगे पर अब मेरा सचजो मैं पिछले 4 साल से कह रहा था जिसकी सच्चाई **samaymaya.com** पर जाकर देख सकते हो। फेसबुक पर भी मेरे सैकड़ो वीडियो लोड है उसमे भी समय माया के नाम से खोजा जा सकता है? यूट्यूब ने कोरोना की सच्चाई बताने के कारण मुझे 15 जून 2020 को ब्लॉक कर दिया।

तुम्हारे आका के फर्जी बीमारी के नाम पर जबरदस्ती ठोके गये जनता को 1500 से ज्यादा वस्तुओ मे लूटी गई जीएसटी के धन से मुफ्त का बता ठोके टीके से कैसे बच्चो से लेकर बूढ़ो तक अचानक टपक रहे हैं। और उसका गुणगान करने वाले अंध भक्त निश्चित ही अकाल कब कहां और कैसे टपक जाएंगे? मालूम भी नही पड़ रहा।

अंध भक्तो को जानकारी है। खुशी होगी की रोज इस प्रकार गांवो से लेकर शहरो तक पूरे देश मे डेढ़ से दो लाख हिंदू टपक रहे हैं। जिनके लिए पूरी तरह से उनका वाचाल 56 इंची आका ही पूर्ण रूप से जिम्मेदार है। जिसने बार-बार टीवी पर 24 घंटे जाकर महीनो तक ब्रांडिंग की क्योंकि सैकड़ो करोड़ चंदा देश व विदेशी कंपनियो से लिया था।

प्रतिदिन पूरे देश भर में डेढ़ से 2 लाख विद्यार्थियों से लेकर बुजुर्गो तक की ऐसे ही अचानक मौत हो रही है। अब तो स्वीकार कर लो अंध भक्तो वह हिंदुओ का हत्यारा है और तुम्हारी मौत भी अचानक होना निश्चित है।

पर तुम्हारे रिश्तेदार मरे हो माता-पिता बेटा बेटी पत्नी व अन्य रिश्तेदाश्र मारे हो। तुम उससे क्या फर्क पड़ता है तुम 400 पार करवाने के लिए वोट कमल के अंधगट्टो, कमल को ही देना। जब तक तुम्हारे और परिवार के मुंह का निवाला तन के कपड़े छीनकर सड़क पर ना बैठा दे। गुणगान करते रहना। घर की महिलाएं जब तक अपने आका और उसके गिरोह के बलात्कारियो गुंडो बदमाशो के सामने तन बेचकर तुम्हारे लिए रोटी ईकट्ठी ना करे। तुम लगे रहना। सनातनियो तुम्हारा तो इतिहास है हूणो, शको, मुगलो पुर्तगीज डच अंग्रेजो सबकी संकर प्रजातियां तुम्हारे दम पर ही तो फली फूली।

इतिहास को बट्टा न लगाना। दोहराते जाना।

मन से भय निकाल चिंता मुक्त रह मस्ती से जिओ

पेज 8 का शेष

15 मिनट बाद चेक कर बोली सर आप है तो जादूगर आपकी इस दवा ने जो टीका लगाते ही मेरा सिर घूम रहा था और बदन झूल व कांप रहा था। काफी राहत मिल चुकी है। अब बिल्कुल ठीक हू मैं भगवान को धन्यवाद दिया और जिस दवा पर मे 20 साल से काम कर रहा था उसने मुझे काफी विश्वास दिया।

यह सारी कहानी मैंने आपको तक से उत्पन्न परेशानियो को डर को दूर करने के लिए लिखी है दूसरी तरफ हमारे घरो मे रखे मसाले सभी अनेको आयुर्वेदिक औषधियां और गुना से परिपूर्ण है जिनके हम रोज सेवन कर रहे हैं और इसी कारण हम बचे हुए हैं अन्यथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने खाद्य पदार्थो की पैकेजिंग मे नमक आटे तेल से लेकर बोतल बंद पानी, कोल्ड ड्रिंक फलो का जूस, छाछ आलू के चिप्स वेफर्स व अन्य सभी खाद्य सामग्री तक में कीड़े ना पड़े और खराब ना हो बदबू ना मारे कीटनाशक, प्रिजर्वेटिव्स का घातक रसायन मिलाकर, हमको खिलाया पिलाया जा रहा है। जो हमे अनेको घातक बीमारियां जिसमे अटैक लिवर किडनी चर्म रोग जोड़ो के दर्द नपुंसकता बांझपन उच्च निम्न रक्तचाप मधुमेह थायराइड आदि की बीमारी नियमित रूप से पिछले 20 सालों से अमेजॉन वॉलमार्ट अड़ानी अंबानी टाटा बिरला युनिलीवर आईटीसी व अन्य बांट ही रहे हैं पर हमारे घर के मसाले हींग लहसुन प्याज हल्दी लाल काली हरी मिर्च धनिया राई सरसो जीरा सौंफ लौंग इलायची दाल चीनी जायफल इन सब मे आयुर्वेदिक औषधि गुण होने के कारण यह हमारे शरीर से अनेको प्रकार के विष निकालकर हमे स्वस्थ रखती हैं। इसलिए चिंता मत कीजिए। हम इनके दम पर जिंदा है। सावधानी रखिए।

थोड़ा सा भी अटपटा अनमना होने पी घबराने पर होम्योपैथी की एकबहुत अच्छी और हर बीमारी मे तत्काल काम आ जाने वाली जिसकी विशेषता ही यही है कि वह आपको सभी प्रकार के उत्पातो विकारो का समन कर आपको तत्काल सामान्य और स्वस्थ बनाती है। जिसका नाम है नक्स वोमिका **nux vomica 200**, इसका विस्तृत अध्ययन करने के लिएगूगल पर सामान्य जानकारी लेने की अपेक्षा गूगल पर होम्योपैथिक मैटेरिया मेडिका खोलकरइस दवा की विस्तृत जानकारी और ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह भी होम्योपैथिक औषधि दुकान से 20-30 रुपए मे मिल जाएगी। साथ मे व घर मे रखे और थोड़ा सा भी स्वयं व परिवार के सदस्यो को असामान्य अनुभव होने पर इसको भी बिना हाथ लगाये इसकी भी ढक्कन मे चार गोलियां निकालकर चूस सकते हैं। जो शरीर में उत्पन्न हुए असामान्य विकारो का समन कर आपको सामान्य व स्वास्थ्य बनाएगी।

जापानी यामाहा विश्व की वाहन निर्माता जालसाज कंपनी

फ्री सर्विसिंग के नाम पर केवल लूट कोई सर्विस नहीं

रतलाम मोटर्स में फ्री सर्विस के नाम केवल धोने व तेल बदलने के नाम मोटी वसूली, ग्राहकों को प्रताड़ना

विश्व की स्वचालित दो पहिया चार पहिया वाहनों के निर्माताओं की श्रेणी में जापानी कंपनियां यामाहा होंडा सुजुकी कावासाकी आदि का नाम पिछले 60 वर्षों से लिया जा रहा है। स्वाभाविक है विश्व के स्वचालित वाहनों की निर्माताओं की मनमानी लूट भी विश्व भर में की जा रही है। जबकि पूरी गाड़ी के इंजन से लेकर पूरा ढांचा अत्यधिक कमजोर बनाया जाता है। ताकि चलने में भरवा अच्छी लगे परंतु किसी भी क्षति व लंबे समय तक उपयोग करने योग्य नहीं होती। जापानी छोटी आंखों वाली सुअरों का सोचना व मानना है। खूबसूरत दिखे, चलने पर अच्छा महसूस हो पर ज्यादा लंबे समय तक ना टिके जल्दी खराब हो। ग्राहक परेशान हो टूट फूट के खर्चों से वसूली हो ताकि माल ज्यादा और लंबे समय तक बिकता रहे। और मोटी कमाई होती रहे।

जबकि नौ वर्ष पूर्व में मैंने होंडा की शाइन जिसका इंजन मात्र 11 महीने में बैठ गया था। जब उस की शिकायत कंपनी में की गई तो उन्होंने गारंटी वारंटी सबको नकार कर लगभग रु. 12000 का खर्च बात कर पिस्टन ब्लाक बदलने की बात कही जब उसकी शिकायत पूरी दुनिया में की गई। तो उन्होंने उसे फिर मुफ्त में बदल दिया था। परंतु 23 महीने में मात्र 40000 किलोमीटर गाड़ी चलने के बाद उसका दूसरा इंजन भी बैठ गया था। इससे परेशान होने के बाद उसको बेचना पड़ा। का उपयोग करने के बाद, रतलाम मोटर से नवंबर 2023 में यामाहा की एफजेडएक्स खरीदी। खरीदी के समय ही लगभग 169000 की गाड़ी को बीमा परिवहन के फाइल चार्ज लाइन ले जाने आदि के अन्य सामान्य सहायक सामग्री को हटाने के बाद वह वहां बैठे आशीष पीटर प्रबंधक से दो-तीन घंटे की लंबी बहस के बाद लगभग रु. 150000 में खरीदी गई जिसमें लगभग रु. 5000 बिना किसी बात के ज्यादा वसूले जा रहे थे। बड़ी हुज्जत के बाद सभी खत्म करवाए गए। जिसमें 1000 का कोई औचित्य पूर्ण शुल्क न होने पर भी वसूला जा रहा था। 1500 परिवहन विभाग में फाइल ले जाने नंबर प्लेट लगाने आदि का पैसा भी कटवाया गया। रु 5-700 की एसेंसरीज जो वहां 3.5 हजार रुपए में लगाई जा रही थी। दो हेलमेट लगभग रु.1500 के हेलमेट होने के बाद में भी जबरदस्ती चिपकाये जा रहे थे। जैसा कि आपने अन्य डीलर द्वारा गाड़ी बेचने पर जिस हेलमेट के 750 का रु.1 दिखाकर हेलमेट का सीजीएसटी वा एसजीएसटी सीधा हजम किया जा रहा था। जो स्पष्ट करता है की वाहन विक्रेता डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर ग्राहकों को लूटने के साथ आय कर सीजीएसटी एसजीएसटी को भी यह सारे हरामखोर भारी राजस्व की चोरी भी कर रहे हैं।

गाड़ी में सबसे बड़ी बदतमीजी जो प्रारंभ में ही पकड़ में आई। जिसमें ढाई 300 ग्राम का गियर लीवर डालने की अपेक्षा अत्यधिक कमजोर गियर पेडल डाला गया जिसमें नीचे से पैर फंसा कर ऊपर नीचे करना पड़ता है। जबकि लीवर में आसानी से एड़ी से गियर बदले जा सकते हैं। परंतु यामाहा की गाड़ियों में सिंगल गियर पेडल डाल ग्राहकों को उपयोग करने तक भारी तकलीफ जानबूझाकर पैदा की जा रही है। गियर पैडल भी इतना कमजोर है, कि एक बार गाड़ी थोड़ी सीपलट गई उसमें वह गियर पेडल टेढा हो गया। रतलाम मोटर्स में ले जाने पर बताया गया कि भैया यह इसमें यह खराबी आ गई है उसको सीधा कर दो। तो हरामखोर बोलते हैं। सीधा नहीं होगा गाड़ी आज छोड़ कर जाओ। दो दिन बाद मिलेगी और पूरा गियर पेंडल बदली होगा। खर्चा रु.1200 का आएगा। अर्थात जापानी सुअरों का वाहनों को कमजोर बनाने का डिजाइन ग्राहकों को लूटने का पूर्व निर्धारित षड्यंत्र है। दूसरी बात इस गाड़ी में किक स्टार्ट की सुविधा भी नहीं है।

दूसरी तरफ पहले सर्विसिंग में ले जाने पर रतलाम मोटर्स के बदतमीजों ने गाड़ी सुबह बुलवा धोकर केवल अपने यहां से मनमानी कीमत का ऑयल फिल्टर और तेल बदली किया।

जबकि उनके सर्विस मैन्युअल के अनुसार स्पार्क प्लग को साफ करके उसके अंतर को सेट करना चाहिए था, दूसरे क्रम में बाल्व को साफ कर समायोजित करना चाहिए था यदि जरूरी हो तीसरे नंबर पर सामान्य अवस्था में आरपीएमको सेट करना था। 4थे पर ईंधन पाइप को जांचना कि उसमें किसी प्रकार चटकन या नुकसान ना हुआ हो 5वे पर एयर फिल्टर एलिमेंट को बदलना जैसा कि कहा गया है। 6वे बिंदु पर सामने और पीछे के ब्रेक उसकी लीवर को सेट करने के साथ उसके तेल को जांचना था यदि जरूरी हो 7वे बिंदु पर क्लच की फंक्शनिंग, बांई साइड की क्रैंक की मार्क्स और उसका एलाइनमेंट जांचना और यदि आवश्यक हो तो उसको समायोजित करना यदि आवश्यक हो तो।

8 वां बिंदु पर पहियों को घुमा कर देखना कोई परेशानी होने पर जांचना सुधारना आवश्यक हो तो।

9 वे बिंदु पर आगे पीछे के पहियों के वेयरिंग को देखना अगर उसमें ढीलापन या क्षति हो तो बदलना, 10वे बिंदु पर स्टेरिंग के ढीले सख्त पन को जांचना, यदि कोई गड़बड़ी हो तो सुधारना 11वे बिंदु पर सामने के फार्क, पिछले शॉक अब्जॉर्बर के संचालन उसके तेल लीक होने पर उसको सुधारना यदि आवश्यक हो तो 12वी बिंदु पर चैन के ढीले पन एलाइनमेंट को जांचना समायोजित करना सफाई करना तेल डालना यदि जरूरी हो तो, जबकि चैन में तेल डालने के अलग से पैसे लिए गए।

तेहरवे बिंदु पर सभी प्रकार की एलईडी लाइट बल्ब वह सभी प्रकार के विद्युत संरचना और संचालन को जांचना 14 में बिंदु पर अगले पिछले टायर के प्रेशर को जांचना और समायोजित करना 15वे बिंदु पर कार्बन ऑक्साइड कुछ सोखने और निकालने छोड़ने की प्रक्रिया को स्थिर अवस्था में चलाने पर स्तर को जांचना और समायोजित करना 16 वे बिंदु पर सभी घूमने चलने वाले हिस्सों जिसमें साइड स्टैंड वह घूमने वाले पाटर्स में तेल डालना और उनके संचालन को सुचारू करना। 17 में आगे पीछे के ब्रेक स्विच को जांचना 18वें बिंदु में क्लच व थ्रोटल केबल में तेल डालना और सुचारू संचालन जांचना 19वें बिंदु में साइड स्टैंड के स्विच ऑपरेशन को जांचना और सुचारू करना आदि 19 बिंदुओं के कार्यों को संपन्न करना चाहिए था। जिसमें से कोई भी कार्य पहले और दूसरी सर्विस में नहीं किया गया। जब कहा और पूछा गया तो बोल नहीं सब ठीक है पर जो कार्य आपकी कंपनी ने निश्चित रूप से करने के लिए लिखा है उसको नहीं किया गया और गाड़ी में आवाज आ रही है बताया भी गया पर हरामखोर जलसा जो नहीना गाड़ी की आवाज दूर की ना क्लच व एक्सीलेटर वायर में तेल डाला।

चैन में तेल डालने इंजन में तेल डालने फिल्टर बदलने के नाम पर भी मोटी वसूली करने, गाड़ी देते समय पेट्रोल दिखाने के बाद में भी पेट्रोल चोरी करने के बाद भी 100 रु. 200 ज्यादा वसूले जाते हैं। लंबे समय तक गाड़ी को तीसरी चौथी सर्विस देने के बाद में वहां के भ्रष्ट हरामखोर जालसाज कर्मचारी जानबूझाकर दो पहिया चार पहिया वाहनों के कीमती स्पेयर पाटर्स निकाल बेच व बदल देते हैं और खराब होने पर उससे मोटी वसूली करते हैं। यह हर डीलर डिस्ट्रीब्यूटर का पूरे देश और दुनिया में डकैती का प्रचलित कारोबार है। इसमें यामाहा कंपनी के डीलर डिस्ट्रीब्यूटर और उसके कर्मचारी भी विशेषज्ञ होते हैं। तभी वह मोटी कमाई कर पाते हैं।

जब इस बात की शिकायत पीटर को की गई बोला नहीं सब ठीक है, क्योंकि उनके पास इतने विशेषज्ञ कुशल कर्मचारी ही नहीं है जो हर वाहन में इतनी सारी जांच करके वाहन क्रेता को सही करके देंगे इस प्रकार यह हरामखोर कर्मचारियों के वेतन बचाने के साथ-साथ क्रेता के वाहन को प्रारंभ से ही पूरी सेवाएं न देकर उसको क्षति पहुंचाने का काम करते हैं और बाद में हर मरम्मत सुधार के लिए मोटी रकम वसूली की जाती है।

इस प्रकार इस ऐसे डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर को विश्व विख्यात यामाहा कंपनी को चाहिए की ऐसे डीलर डिस्ट्रीब्यूटर को हटाए या उसको बार-बार चेतावनी देकर अपनी गाड़ियों की फ्री व भुगतान के बाद सर्विस देने की प्रक्रिया को मजबूत बनाएं।

अन्यथा यह कहानी पूरी दुनिया के एशिया यूरोप के साथ टीवी न्यूज़ चैनल और समाचार पत्रों को बांटी जाएगी और उनका सच बताया जाएगा यह किस प्रकार से यह जानबूझ अपने सर्विस स्टेशनों पर गाड़ियों को कमजोर कर पहले क्षतिग्रस्त करवाते हैं और बाद में सुधारने के नाम पर मोटी वसूली करते हैं। वैसे भी 2014 के बादसारे दो पहिया और चार पहिया वाहनों में देसी विदेशी सभी प्रकार के वाहन निर्माता ने अपने इंजन की और गाड़ी चरण की गुणवत्ता को बिगाड़ा है सभी ने सस्ते कीमत पर हल्के प्रकार के इंजनों को चीन से बनवाकर अपने वाहनों में फिट किया और हालात यह है की अब जो गाड़ियां दो व चार पहिया पहले तीसरे और चौथे गियर में उठ जाया करती थी एक बार ब्रेक लगाने के बाद अब दूसरे गियर में भी नहीं उठती हैं। जिससे बार-बार वाहनों में गियर बदलने के कारण इंजन कमजोर होता है और वाहन चालकों को वाहन चलाने व रखरखाव की मोटी कीमत चुकानी पड़ती है।

प्रेस काम्पलेक्स में शराब माफिया का शॉपिंग मॉल क्यों

इस समाचार के संबंध में इंदौर विकास प्राधिकरण, गृह एवं ग्राम निवेश, इंदौर तहसील से दस्तावेज भी इकट्ठे करें और प्रकाशित करके यह जो अवैध 2010 से प्रेस कंपलेक्स की भूमि पर यह एसोसिएटेड अल्कोहल और माउंट ड्यु बेवरेज चिड़िया का कार्यालय और शॉपिंग मॉलको कैसे आवंटित करके पूरा भवन खड़ा करवा दिया गयाऔर आश्चर्य का विषय है कि अभी तक किसी भी समाचार पत्र ने शहर के मोटा महीना मिलने के कारण सच नहीं छापा। तो इसका ही सच छापें।

प्रेस कांपलेक्स के क्षेत्र में बना शॉपर्स स्टॉप जो यथार्थ में एसोसिएटेड अल्कोहल और माउंट ड्यु बैवरेज का कार्यालय है। तो प्रेस के लिए आवंटित उस जमीन पर जो यह शराब

माफियाओं का कार्यालय और इतना बड़ा शॉपिंग कंपलेक्स खोला गयातो यह भूमि जब वहां कोई समाचार पत्र प्रकाशित ही नहीं होता तो कैसे आवंटित की गई?

शराब माफिया का दबदबा न केवल इंदौर की क्षेत्रीय कार्यालय में तो चलता ही है बेशक इस आवंटन में कलेक्टर अध्यक्ष इंदौर विकास प्राधिकरण और मुख्य कार्यपालन अधिकारी को मोटा पैसा बांट कर ही यह आवंटन किया गया होगा जिन्होंने आवंटन किया है उन सबके वर्तमान स्थिति और किस-किस कलेक्टर कमिश्नर निगम कमिश्नर अधीन आयम उसे आवंटन मेंट स्तावेजों पर हस्ताक्षर किएउन सब की जानकारी निकाल कर प्रकाशित कर यह अवैध निर्माण को भी ध्वस्त करवाया जाना चाहिए।

साप्ताहिक समय माया

ये चार चीजें आपके शुगर को रखें कंट्रोल

डायबिटीज को साइलेंट किलर डिजीज के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसका मतलब है कि यह रोग शरीर को अंदर ही अंदर खोखला करती जाती है। यही कारण है कि अगर शुगर लेवल को कंट्रोल न किया जाए तो डायबिटीज रोगियों में हृदय रोग, आंखों, तंत्रिकाओं के साथ किडनी-लिवर की गंभीर बीमारियों का खतरा काफी अधिक हो सकता है। जिन लोगों को पहले से ही मधुमेह की समस्या है उन्हें इसे नियंत्रित करने और जो इससे सुरक्षित हैं उन्हें डायबिटीज से बचाव को लेकर हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए। डॉक्टर की माने तो डायबिटीज किसी को भी हो सकता है, बच्चों में भी टाइप-2 डायबिटीज का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और डायबिटीज की जटिलताओं से बचाव के लिए आयुर्वेद में कई ऐसी चीजों का जिक्र मिलता है जो विशेष लाभकारी हो सकती हैं। मेडिकल साइंस ने भी ब्लड में ग्लूकोज के स्तर को कंट्रोल करने में इन्हें फायदेमंद पाया है।

गिलोय से मिलेगा लाभ

गिलोय, उन औषधियों में से एक है जिसका प्रयोग वर्षों से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता रहा है। इम्युनिटी पावर बढ़ाने के साथ ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में गिलोय से लाभ मिल सकता है। आयुर्वेद के अलावा मेडिकल साइंस ने भी अध्ययनों में पाया कि गिलोय का सेवन इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करने, रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल में लाभकारी हो सकता है। गिलोय की पत्तियों के पाउडर को भी टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए काफी कारगर प्रभावों वाला पाया गया है।

जामुन का फल और बीज दोनों फायदेमंद

गिलोय की तरह ही जामुन भी डायबिटीज की समस्या में काफी फायदेमंद हो सकता है। आयुर्वेद में जामुन के बीज के पाउडर और फल दोनों को शुगर रोगियों के लिए लाभकारी पाया गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जामुन में हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में सहायता करता है। इसमें एंथोसायनिन, एलाजिक एसिड और पॉलीफेनोल्स जैसे बायोएक्टिव यौगिक होते हैं जो इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करने और मधुमेह संबंधी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में फायदेमंद है। ●

करेला

डायबिटीज में सब्जियों के चयन को लेकर परेशान रहते हैं तो इसमें करेला आपके लिए सबसे फायदेमंद विकल्प हो सकता है। लंबे समय से आयुर्वेद में इसका मधुमेह रोधी गुणों के लिए उपयोग किया जाता रहा है। मेडिकल साइंस ने शोध में पाया कि करेला में पॉलीपेप्टाइड-पी नामक इंसुलिन जैसा यौगिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करता है।

आंवला

आंवला शक्तिशाली आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है। विटामिन-सी से भरपूर होने के कारण ये प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए तो फायदेमंद है ही साथ ही रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल करने में भी आंवला खाने से लाभ मिलता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर है, जो अग्न्याशय के कार्यों को बेहतर बनाने और इंसुलिन स्राव को बढ़ाने में मदद करता है।

जब पैरों में होने लगे परेशानी, न करें इग्नोर

हम आमतौर पर हाई कोलेस्ट्रॉल का पता बढ़ते हुए वजन और पेट की चर्बी से लगाते हैं लेकिन इसका पता कई और तरीके से भी लग सकता है। ये एक तरह का फैट है जिसके निर्माण में लिवर का अहम योगदान होता है। शरीर में बनने वाला बैड कोलेस्ट्रॉल डायबिटीज और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं को पैदा करता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण पैरों में भी दिख सकते हैं, इसलिए कुछ इशारों को बिलकुल नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पैरों का ठंडा पड़ जाना

सर्दियों में पैरों का ठंडा होना एक आम बात है, लेकिन अगर भीषण गर्मी के दौरान भी ऐसा होने लगे तो समझ जाएं की कुछ बड़ी गड़बड़ हो रही है। ये शरीर में हाई कोलेस्ट्रॉल की निशानी हो सकती है। इन हालात में तुरंत चेकअप कराना चाहिए।

पैर की स्किन का कलर चेंज होना

हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से पैरों की तरफ होने वाली ब्लड सप्लाई पर भी असर पड़ता है जिसका असर पैरों पर साफ देखा जा सकता है। खून की कमी की वजह से पैर की स्किन और नाखूनों का रंग बदलने लगता है क्योंकि खून के जरिए पहुंचने वाले ऑक्सीजन और न्यूट्रिएंट्स की सप्लाई में रुकावट पैदा होती है।

पैरों में ऐंठन

कई लोगों को रात को सोते वक्त पैरों में ऐंठन होती है जो हाई कोलेस्ट्रॉल का कॉमन साइन है। इसका मतलब है कि आपके शरीर के निचले हिस्से की नसों को नुकसान पहुंच रहा है। पैर के अलावा तर्जनी, एड़ी या पैरों की उंगलियों में भी ऐंठन होती है, जिसका असर हमारी नींद पर भी पड़ता है।

पैरों में दर्द होना

जब हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से पैरों तक की ब्लड सप्लाई में रुकावट पैदा होती है और वहां तक ऑक्सीजन सही तरीके से नहीं पहुंच पाता, तो ऐसे में तेज दर्द हो सकता है। पैर में भारीपन और थकावट महसूस होने लगती है। ऐसी हालत में नॉर्मल वॉक करना भी आसान नहीं होता। ●

इंटरनेट एडिक्शन डिसऑर्डर से बच्चों को बचाएं

इंटरनेट आज के स्मार्ट युवक युवतियों की खास जरूरत बन गया है। कोई भी जानकारी चाहिए, जवाब के लिए इंटरनेट मौजूद है। एक कंपैनियन की तरह इंटरनेट आप का साथ देता है।

मनोरंजन ऑन लाइन, शॉपिंग, सोशल साइट्स पर दोस्ती, चैटिंग, ब्लॉग पर मन का गुबार निकालना या अपने उद्गार प्रगट करना, पढ़ाई का मामला हो या कालेज अपडेट करना हो- इंटरनेट एक बढ़िया साधन है लेकिन इंटरनेट एडिक्ट बन जाना आपको मानसिक रूप से बीमार कर सकता है यानी कि आप इंटरनेट एडिक्शन डिस्आर्डर के मरीज बन सकते हैं। जीवन जीने के लिए एक्टिव रहने के लिए मिला है। अगर हम कुदरत को फालो नहीं करते तो जाहिर सी बात है इसका दुष्प्रभाव भी हमें ही झेलना पड़ेगा। इस एडिक्शन के चलते लोग घंटों कंप्यूटर के आगे बैठे रहते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। आंखों में सूखापन, उनका लाल होना, तेज सिरदर्द, पीठ, गले, कंधे व गर्दन में जकड़न व लगातार दर्द जैसी समस्याओं से इन्हें जूझना पड़ सकता है। इसके अलावा कुछ अन्य समस्याएं जिनसे इंटरनेट एडिक्ट का सामना होता है, वे हैं- इंटरनेट काम न करे तो व्यक्ति पगला सा जाता है। उसे समझ में नहीं आता कि अब वो क्या करे।

- मूड का तेजी से बदलना।
- वक्त की बर्बादी
- इंटरनेट यूज करने से कंप्यूटर में वायरस का खतरा बढ़ जाता है।
- इंटरनेट पर पोर्नोग्राफी साइट बड़ों को ही नहीं, किशोर और बच्चों को भी बेहद अट्रैक्ट करती है जिसका उन पर गलत असर पड़ता है।
- सोशल नैटवर्किंग में व्यस्त लोग ऑनलाइन चैटिंग करते रहते हैं। इसके बाद उन्हें सोशलाइजेशन की जरूरत ही महसूस नहीं होती, न ही उनके सामाजिक तौर से मिलने -मिलाने के लिए वक्त या इच्छा बाकी रहती है।
- कंप्यूटर पर दो ढाई घंटे से ज्यादा लगातार काम करते रहने से सी.वी.एस (कंप्यूटर विजन सिंड्रोम) जैसी बीमारी हो सकती हैं। इसमें सिर और गर्दन में दर्द के अलावा आंखों में तकलीफ होने लगती है। कंप्यूटर के साथ स्मार्ट फोन का अधिक इस्तेमाल भी बीमारियों को निमंत्रण देता है। उदाहरण के लिए नर्व इंजरी, कॉर्पल टनल सिंड्रोम(सी.टी.एस) रेडिएशन से जुड़ी प्राब्लम्स, इंटरनेशनल ब्लाइंडनेस इत्यादि।
- स्मार्ट फोन के द्वारा भी लोग इंटरनेट से जुड़े रहते हैं जो उनके लिए आसान होता है लेकिन सेहत के लिए अत्यंत हार्मफुल। इससे बचें। ज्यादा से ज्यादा दिन भर में दो घंटे से कम अवधि में ही अपनी बातचीत सीमित रखें।
- बैटरी डिस्चार्ज हो तो समझ लें यह आप के लिए बातचीत का समय पूरा होने का साइन है।
- विजन सिंड्रोम से बचने के लिए 20-20 रूल अपनाएं। हर बीस मिनट में बीस फीट की दूरी से एक ही वस्तु पर फोकस रखें। हर आधे घंटे बाद कम से कम आधा मिनट आंखें बंद कर उन्हें आराम दें।
- कंप्यूटर स्क्रीन के कंट्रास्ट और ब्राइटनेस लाउड न रखकर सामान्य रखें। इससे आंखों पर कम जोर पड़ेगा।
- कंप्यूटर के लिए स्पेशल चश्मे आते हैं। उनका इस्तेमाल करने से जहां स्क्रीन पर देखने में क्लेरिटी आती है, आंखों पर स्ट्रेन भी कम पड़ता है।
- लगातार एक टक स्क्रीन पर न देखकर बीच में आंखें झपकाते रहेंगे तो आंखों की नमी बनी रहेगी और उनमें ड्राइनेस की शिकायत नहीं होगी। ●

भूलकर भी न खरीदें ये चीजें, वरना दुर्भाग्य से हो सकता है सामना

अक्षय तृतीया का दिन बेहद शुभ माना जाता है। इसे दीपावली की तरह ही बहुत कल्याणकारी माना जाता है। यह दिन माता लक्ष्मी और भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस बार यह पर्व 10 मई, 2024 को मनाया जाएगा। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग सच्चे भाव के साथ इस तिथि पर धन की स्वामिनी की आराधना करते हैं उनके धन और सौभाग्य में वृद्धि होती है, तो आइए इस दिन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं -

तृतीया तिथि 10 मई, शुक्रवार को प्रातः 4 बजकर 17 मिनट पर शुरू होगी और वहीं, इसका समापन अगले दिन 11 मई सुबह 2 बजकर 50 मिनट पर होगा। इसके अलावा अक्षय तृतीया का शुभ मुहूर्त 10 मई सुबह 5 बजकर 49 मिनट से दोपहर 12 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान किए जाने वाले सभी कार्य में सफलता मिलती है। साथ ही धन में वृद्धि होती है।

अक्षय तृतीया के दिन क्या नहीं खरीदना चाहिए ?

ऐसा कहा जाता है कि अक्षय तृतीया के दिन प्लास्टिक की चीजें, स्टील एल्युमिनियम के बर्तन, काले कपड़े, कांटेदार वस्तुएं, काले रंग की वस्तुएं, भूलकर भी नहीं खरीदना चाहिए। कहा जाता है कि अक्षय तृतीया के दिन ये चीजें खरीदने से घर में दरिद्रता आती है।

साथ ही घर में ग्रह और वास्तु दोष बना रहता है। ऐसे में इन चीजों को इस शुभ अवसर पर भूलकर भी न खरीदें। वरना आपको दुर्भाग्य का सामना करना पड़ सकता है।

3 राशियों पर बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा; सालभर होगी धन वर्षा

अक्षय तृतीय सबसे शुभ दिन में से एक माना जाता है. अक्षय तृतीया का त्यौहार वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है. अक्षय तृतीया के दिन दान पुण्य और खरीदारी का खास महत्व माना गया है. इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा आराधना की जाती है. इस साल अक्षय तृतीया का पर्व 10 मई को मनाया जाएगा. इस दिन आप खरीदारी के साथ घर में मांगलिक कार्य कर सकते हैं, इसके लिए कोई शुभ मुहूर्त नहीं देखा जाता है.

इस साल अक्षय तृतीया के दिन कई शुभ योगों का निर्माण होने जा रहा है, जिसका प्रभाव 3 राशियों पर सकारात्मक पड़ने वाला है. तो आइए देवघर के ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि इस साल अक्षय तृतीया के दिन क्या शुभ योग बन रहा है और किन राशियों के ऊपर माता लक्ष्मी की विशेष कृपा बरसने वाली है?

देवघर के पागल बाबा आश्रम स्थित मुद्गल ज्योतिष केंद्र के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुद्गल ने लोकल 18 के संवाददाता से बातचीत करते हुए कहा कि इस साल 10 मई को अक्षय तृतीया का पर्व त्यौहार मनाया जाएगा, इसके साथ ही करीब 100 साल बाद अक्षय तृतीया के दिन वृषभ राशि में चंद्रमा और गुरु की युति होने जा रही है, जिसके कारण गज केसरी राजयोग का निर्माण होने जा रहा है, जो बेहद अति शुभ माना जाता है. इसके साथ ही रवि योग, मालव्य योग, उत्तम योग का भी निर्माण होने से तीन राशि के ऊपर बेहद सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है.

माता लक्ष्मी की कृपा जिन राशियों के ऊपर पड़ने वाली है. वह तीन राशियां हैं मेष, कर्क और सिंह

मेष: अक्षय तृतीया का दिन मेष राशि जातक वालों के लिए बेहद सकारात्मक रहने वाला है. माता लक्ष्मी की कृपा बरसाने वाली है. नए व्यापार की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय बिल्कुल अनुकूल है. आर्थिक लाभ होगा. भूमि, भवन या वाहन खरीदने का भी योग बन रहा है. लंबे समय से रुके हुए कार्य पूर्ण होने वाले हैं. धन-धान्य की बढ़ोतरी होने वाली है.

कर्क: कर्क राशि जातक के ऊपर अक्षय तृतीया के दिन बेहद सकरात्मक प्रभाव पड़ने वाला है. परिवार के बीच लंबे समय से चलती आ रही समस्या समाप्त होने वाली है. अक्षय तृतीया के दिन सोना चांदी की खरीदारी कर सकते हैं. इसके साथ ही वाहन, जमीन आदि खरीददारी करने का भी योग बन रहा है. संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है. बिजनेस में धन निवेश करने से आर्थिक लाभ होने वाला है.

सिंह: सिंह राशि जातक के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है. नौकरीपेशा लोगों के लिए मनचाही पोस्टिंग का भी योग बन रहा है. बिजनेस करने वालों को आर्थिक लाभ का योग बन रहा है. नया बिजनेस करने की सोच रहे हैं तो समय बिल्कुल अनुकूल रहने वाला है. घर में मांगलिक कार्य पूर्ण होने वाले हैं. परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा. अगर आपके पास कर्ज है तो आप कर्ज मुक्त होने वाले हैं. साल भर मां लक्ष्मी की कृपा बरसेगी.

पांच शुभ योग में मनेगी अक्षय तृतीया

दान-पुण्य, सोना खरीदने की है प्राचीन परंपरा

अक्षय तृतीया 10 मई शुक्रवार को पांच शुभ योग में मनाई जाएगी। सनातन धर्म के मानने वालों के इस प्रमुख पर्व के दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व है। जैन धर्म के लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। मां लक्ष्मी की विशेष पूजा के लिए सोने चांदी की भगवती और कौड़ी खरीदने के लिए लोग अभी से तैयारी में जुट गए हैं। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु की उपासना करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है

100 साल बाद अक्षय तृतीया पर गजकेसरी राजयोग बन रहा है। ज्योतिर्विद पंडित नरेंद्र उपाध्याय और पंडित शरद चंद्र मिश्र के अनुसार इस वर्ष अक्षय तृतीया के दिन चंद्रमा और बृहस्पति की युति होने से गजकेसरी योग निर्मित हो रहा है। इसके साथ शश नामक उत्तम योग, मालव्य योग, धन योग, रवि योग कुल पांच महाशुभयोग में अक्षय तृतीया का पर्व है। इस योग में की गई पूजा, दान और व्रत से अत्यधिक शुभ फल प्राप्त होगा। सभी शुभ कार्यों के संपादन के लिए सूर्य और चंद्रमा की श्रेष्ठता ग्रहण की जाती है और ये दोनों महत्वपूर्ण ग्रह इस दिन उच्च स्थिति में रहते हैं। इसलिए इस दिन को सर्वश्रेष्ठ दिवस के रुप में मान्यता प्राप्त है। इसे अबूझ मुहूर्त के रुप में भी स्थान प्राप्त है। इस दिन पंचांग के अवलोकन की आवश्यकता नहीं होती है।

मान्यता है कि अक्षय तृतीया वह तिथि है जिससे सौभाग्य और शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस दिन पृथ्वी पूजन के साथ दान-पुण्य, सोना खरीदने की प्राचीन परंपरा है। किसान मां अन्नपूर्णा की पूजा करते हैं। भगवान परशुराम जी का जन्म इसी तिथि को हुआ था। मां गंगा और मां अन्नपूर्णा का अवतरण त्रेतायुग में इसी तिथि को हुआ था।

महर्षि वेदव्यास ने इसी दिन महाभारत की रचना शुरू की। इसी दिन युधिष्ठिर को अक्षय पात्र की प्राप्ति हुई थी। बद्रीनाथ और केदारनाथ के पट इसी दिन खुलते हैं और इन तीर्थों की यात्रा शुरू होती है। गृहारंभ, गृहप्रवेश, नए कारोबार का शुभारंभ, वाहन खरीदने के लिए यह तिथि उपयुक्त मानी जाती है। इसे स्वयंसिद्ध मुहुर्त माना गया है।

जनता से चौगुना से ज्यादा पैट्रोल में लूट

पेज 1 का शेष

घटती छूट के बावजूद, भारत में रूसी कच्चे तेल का प्रवाह जारी रह सकता है रिफाइनरी अधिकारियों ने कहा कि रूसी कच्चे तेल पर छूट - जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे कम हो गई है - और बढ़ते प्रतिबंधों के बावजूद, देश से आयात की मात्रा अभी या कम से कम जुलाई तक स्थिर रहेगी। 'रूसी कच्चे तेल के लिए भूख है, और जब तक कोई बड़ी घटना नहीं होती है, तब तक शिपमेंट इस बिंदु से कम होने की उम्मीद नहीं है। बातचीत जारी है और खरीदारी जारी रहेगी,'' एक प्रमुख रिफाइनरी के एक अधिकारी ने कहा। इसी भावना को एक अन्य अधिकारी ने दोहराया, जिन्होंने बताया कि लगभग सभी प्रमुख रिफाइनरियों की अगले कुछ महीनों में रूसी क्रूड प्राप्त करने की योजना है। अधिकारियों ने कहा कि जबकि रूसी शिपिंग बड़े प्रतिबंधों के अधीन हैं, भारत में जी7 देशों के साथ गठबंधन किए गए टैंकरों द्वारा शिपमेंट तेजी से देखा जा रहा है।

पिछले महीने 1.1 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) या कुल समुद्री रूसी कच्चे तेल के निर्यात का 33 प्रतिशत जी7, ईयू, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड या नॉर्वे में स्थित कंपनियों द्वारा ध्वजांकित, स्वामित्व या संचालित या बीमाकृत टैंकरों द्वारा उठाया गया था। एसएंडपी ग्लोबल कमोडिटीज़ एट सी एंड मैरीटाइम इंटेलिजेंस रिस्क के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिमी सुरक्षा और क्षतिपूर्ति क्लब।

इसकी तुलना जनवरी में 30.1 प्रतिशत या 10 लाख बीपीडी से की जाती है, और यह दर्शाता है कि जी7 से जुड़े टैंकर रूस में वापस आ रहे थे, हालांकि फरवरी से कठिन परिश्रम प्रक्रियाएं प्रभावी हो गई थीं, जैसा कि डेटा से पता चलता है।

लंदन स्थित कमोडिटी डेटा एनालिटिक्स प्रदाता वोर्टेक्सा के अनुमान के अनुसार फरवरी तक लगातार 17वें महीने रूस कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा। भारत के कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी जनवरी में 25 प्रतिशत और दिसंबर में 31 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 32 प्रतिशत हो गई। ये आंकड़े अभी भी पिछले साल मई में दर्ज 44 प्रतिशत की ऐतिहासिक ऊंचाई से काफी कम हैं। रूसी आपूर्तिकर्ताओं के साथ भुगतान निपटाने में संभावित समस्याओं के कारण हाल के महीनों में आयात मात्रा में गिरावट आई है। इसके परिणामस्वरूप रूसी सोकोल ग्रेड क्रूड का आयात सबसे अधिक प्रभावित हुआ। हालांकि, रिफाइनरी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप कई महीनों तक आयात में गिरावट के बाद, कच्चे ग्रेड ने फरवरी में फिर से भारत में उतरना शुरू कर दिया है। रूस के सुदूर पूर्व में सखालिन-1 परियोजना द्वारा उत्पादित, कच्चे तेल के हल्के मीठे ग्रेड को 2023 में भारत में तेजी से बाजार मिल गया था। हालाँकि, कच्चे तेल को और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि अमेरिका ने फरवरी में रूस के प्रमुख टैंकर समूह, सोवकॉमफ्लोट पर नए प्रतिबंध लगाए थे। वाशिंगटन डीसी ने कहा था कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की दूसरी वर्षगांठ पर घोषित प्रतिबंध 14 टैंकरों - जो बेड़े का हिस्सा थे - के बाद लगाए गए थे, जो रूसी तेल पर जी7 की 60 डॉलर प्रति बैरल मूल्य सीमा का 'उल्लंघन' कर रहे थे। लेकिन पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि आने वाले कच्चे तेल की मात्रा में कोई भी गिरावट तेल की कीमतों पर निर्भर करती है।

12वीं के बाद ऊंची पढ़ाई करने में नए-नए अड़गे

पेज 1 का शेष

सब आपको प्रवेश को समय ही बताना पड़ेगा। ताकि भविष्य में कोई भी छात्र व्यवसाय का भरकर नौकरी न कर सके और कोई नौकरी का भरकर व्यवसाय ना कर सके। ताकि मोबाइल कंपनियों से लेकर निजी में सरकारी सभी को मालूम रहे कि किसी छात्र के मन में भविष्य में क्या करने की इच्छा है जबकि होता यह है की स्नातक या परास्नातक तक की डिग्री पूरी करने के बाद अधिकांश छात्र अनुभव लेने के लिए पहले खर्च चलाने जानने समझने सीखने के लिएजहां जैसी आजीविका चलाने के लिए नौकरी मिलती है चाहे वह सरकारी होया निजी नौकरियां कर लेते हैं। नौकरी में ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने के बादकरते-करते जो धन एकत्रित हो जाता हैया जो लाइन अच्छी समझ में आती है उसका व्यवसाय करना भी शुरू कर देते हैं। दूसरी तरफछात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद अवसरों के अनुकूल व्यवसाय या नौकरी करते हैं इसके बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं होतापिर भीसरकार नहींछात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने से रोकने के लिए ताकि भविष्य में वह बेरोजगारी का हलला बचाए और सरकार को बदनाम ना करे24 25 के शिक्षण सत्र में प्रवेश से पूर्वी अनेकों प्रकार की परेशानियां और आगे कागजात दस्तावेज मांगने का जो षड्यंत्र किया है उसका उद्देश्य ही निर्धन निर्धन निम्न मध्यम वर्गीगरीबी रेखा से ऊपर और गरीबी रेखा से नीचे के एससी एसटी ओबीसी व सामान्य वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा की महाविद्यालयीन विश्वविद्यालयीन प्रवेश में ही अनेकों परेशानियां खड़ी कर दी हैं। इस प्रकार से अभी से ही छात्रों के 12वीं के बाद विभिन्न विषयों के संकायों में डिग्री कोर्स करने के उच्च शिक्षा के प्रवेश पर ही उनका डाटा इकट्ठा करने के षडयंत्रों के साथ वह अभीसे भविष्य का निर्धारण करने के साथ-साथ उन छात्रों के भविष्य को भी बांध देगी।

जिसका सीधा फायदा लुटेरी जालसाज शैक्षणिक संस्थाओं के साथ पूंजीपतियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भी अनेकों तरह से मिलेगा।

पूंजीपतियों के इशारे पर नाच कर सरकार ने छात्रों को उच्च शैक्षणिक महाविद्यालय विश्वविद्यालय में प्रवेश के नाम पर ही परेशान करने लगी है। ताकि भविष्य में पूंजीपतियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अधिकतम श्रम को निम्नतम दरों पर उपलब्ध हो सकें।

ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव : छात्र बताएंगे फील्ड ऑफ इंट्रेस्ट

रजिस्ट्रेशन के साथ ही बताना होगा बिजनेस करेंगे या जॉब, तीन नए दस्तावेज भी जोड़े

कॉलेजों में ऑनलाइन एडमिशन के लिए इस बार छात्रों को न केवल पहले से ज्यादा दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी, बल्कि उन्हें यह भी बताना होगा कि करियर को लेकर उनका फ्यूचर प्लान क्या है। छात्र को ऑनलाइन प्रक्रिया के दौरान करियर प्रोस्पेक्टिव का विकल्प मिलेगा। इसमें जानकारी भरना होगी कि भविष्य में वे जॉब का विकल्प चुनेंगे या बिजनेस का।

यही नहीं उन्हें यह भी बताना होगा कि अगर वह जॉब का विकल्प चुन रहे हैं तो गवर्नमेंट या प्राइवेट किस सेक्टर में जाना चाहेंगे या फिर स्टार्टअप में रुचि है। इसके अलावा छात्र को एक विकल्प में अपना फील्ड ऑफ इंट्रेस्ट भी बताना होगा। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि छात्र अभी से भविष्य को लेकर प्लानिंग कर सकें और वोकेशनल तथा इलेक्टिव विषय चुनने में संस्थान भी उनकी मदद कर सकें। इस बार तीन नए दस्तावेज भी जोड़ गए हैं। इनमें अपार आईडी, एबीसी (अकाउंट बैंक ऑफ क्रेडिट) और मूल निवासी प्रमाण पत्र (पहले ऑप्शनल था) शामिल हैं। खास बात यह है कि इस बार स्टूडेंट्स को मूल निवासी प्रमाण पत्र का नंबर भी बताना होगा।

इंदौर में 1 लाख से ज्यादा सीटें, पहले राउंड के लिए 20 मई तक का समय

वैसे 12वीं एमपी बोर्ड का रिजल्ट आ चुका है, लेकिन सीबीएसई का रिजल्ट आने वाला है। पहली काउंसलिंग में ही छात्रों को 20 मई तक रजिस्ट्रेशन का समय दिया गया है। शिक्षाविद् डॉ. अनस इकबाल कहते हैं फिलहाल दस्तावेज जुटाने के लिए छात्रों के पास पर्याप्त समय है। कॉलेज में छात्र को टीसी को छोड़ कोई भी मूल दस्तावेज जमा नहीं करना है। मूल निवासी के लिए अभी से प्रक्रिया शुरू कर देना चाहिए।

विधानसभा बताना होगी

खास बात यह है कि इस बार छात्रों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के दौरान एमपी ऑनलाइन के कियोस्क सेंटर पर अपना विधानसभा क्षेत्र भी बताना होगा। भले ही छात्र प्रवेश में किसी भी जिले का हो।

छात्रों की परेशानी, इतने दस्तावेज कैसे जुटाएंगे

हालांकि इस नई व्यवस्था ने छात्रों की परेशानी बढ़ा दी है। खासकर मूल निवासी प्रमाण पत्र, समग्र आईडी, एबीसी रजिस्ट्रेशन आदि करवाने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। शिक्षाविद् प्रो. राजीव झालानी कहते हैं कि इस बार अलग-अलग वजह से दस्तावेज जोड़ गए हैं। मूल निवासी प्रमाण पत्र सभी के लिए अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा कई सकारात्मक बदलाव भी हुए हैं, जो छात्रों के लिए भविष्य में सकारात्मक साबित होंगे।

रजिस्ट्रेशन कराने के बाद लिस्ट जारी होने पर ही कॉलेज जाएं

इस बार छात्रों को ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत रजिस्ट्रेशन कराने के बाद तुरंत कॉलेज जाने की जरूरत नहीं है, लिस्ट आने पर ही जाएं। हालांकि जिन कॉलेजों को अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त है, उनमें प्रवेश के लिए छात्र अलग से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन तो करवाएंगे ही, लेकिन अगले दिन या उसके बाद कॉलेज भी जाना होगा, क्योंकि वहां सीधे प्रवेश होगा। 37 कॉलेजों में सीधे प्रवेश हो रहा है। हालांकि दोनों कैटेगरी के एडमिशन में दस्तावेज सत्यापन ऑनलाइन ही होगा। जिन आवेदनों में त्रुटि पाई जाएगी, उसमें सुधार के लिए छात्र को मोबाइल पर मैसेज आएगा। उसे किसी भी शासकीय कॉलेज के हेल्प सेंटर पर पहुंचकर यह ठीक करवाना होगा। हेल्प सेंटर शुरू हो चुके हैं।

मेरा वोट कितना सुरक्षित है?

भारत में ईवीएम-वीवीपीएटी विवाद पर एक विस्तृत नज़र

सुप्रीम कोर्ट ने 26 अप्रैल को अपने नवीनतम फैसले में ईवीएम वोटों के साथ 100% वीवीपीएटी पेपर ट्रेल सत्यापन की मांग वाली याचिका खारिज कर दी; हालाँकि कोर्ट ने मौजूदा चुनावी प्रक्रिया को और अधिक जवाबदेह बनाने के लिए इसमें बदलाव किये

26 अप्रैल को, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं के एक समूह को खारिज कर दिया, जिसमें एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दायर मुख्य याचिका थी, जिसमें ईवीएम वोटों के साथ वीवीपैट पेपर ट्रेल पर्चियों के 100% क्रॉस सत्यापन की मांग की गई थी, जिसमें कहा गया था कि ईवीएम 'सरल, सुरक्षित और सुरक्षित' हैं। यूजर फ्रेंडली'। जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की खंडपीठ ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया और अन्य (रिट याचिका (सिविल) नंबर 434 ऑफ 2023) के मामले में सहमति लेकिन अलग-अलग फैसले जारी किए।

प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र (राज्य विधानसभा चुनाव और आम चुनाव दोनों के लिए) में वर्तमान 5 ईवीएम मशीनों (यादृच्छिक रूप से चुनी गई) से मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) क्रॉस सत्यापन को 100% क्रॉस सत्यापन तक बढ़ाने की याचिका का जवाब देते हुए, न्यायमूर्ति खन्ना ने लिखा कि, 'सबसे पहले, इससे गिनती का समय बढ़ जाएगा और नतीजों की घोषणा में देरी होगी। आवश्यक जनशक्ति को दोगुना करना होगा। मैन्युअल गिनती में मानवीय त्रुटियां होने की संभावना होती है और इससे जानबूझकर शरारत की जा सकती है। गिनती में मैन्युअल हस्तक्षेप से परिणामों में हेरफेर के कई आरोप भी लग सकते हैं। इसके अलावा, डेटा और परिणाम मैन्युअल गणना के अधीन वीवीपीएटी इकाइयों की संख्या बढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं दर्शाते हैं।

हालाँकि, महत्वपूर्ण रूप से, अदालत ने सबसे अधिक मतदान वाले उम्मीदवार के बाद दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों को 5% ईवीएम में जुड़ी हुई मेमोरी/माइक्रोकंट्रोलर के सत्यापन और जाँच की अनुमति देकर वर्तमान प्रणाली की पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार के उपाय पेश किए।) संसदीय चुनाव के मामले में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र या विधानसभा खंड।

अदालत ने दर्ज किया कि सत्यापन के लिए ऐसा अनुरोध परिणाम घोषित होने के सात दिनों के भीतर किया जाना चाहिए और 'जिला चुनाव अधिकारी, इंजीनियरों की टीम के परामर्श से, सत्यापन प्रक्रिया के बाद जली हुई मेमोरी/माइक्रोकंट्रोलर की प्रामाणिकता/अक्षुण्णता को प्रमाणित करेगा।' संचालित। उक्त सत्यापन के लिए वास्तविक लागत ईसीआई द्वारा अधिसूचित की जाएगी, और उक्त अनुरोध करने वाला उम्मीदवार ऐसे खर्चों का भुगतान करेगा।

अगर ईवीएम से छेड़छाड़ पाई गई तो खर्च वापस कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि अदालत ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को ईवीएम के स्रोत कोड का खुलासा करने का निर्देश देने के याचिकाकर्ताओं के अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, यह तर्क देते हुए कि स्रोत कोड का खुलासा करने से इसका दुरुपयोग हो सकता है।

फैसले में चुनाव आयोग ईसीआई को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया कि सिंबल लोडिंग यूनिट लैपटॉप/पीसी के माध्यम से उम्मीदवार और पार्टी की जानकारी वीवीपीएटी में डालने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला माचिस के आकार का उपकरण को उपयोग के तुरंत बाद सील कर दिया जाए और बाद में 45 दिनों के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में संग्रहीत किया जाए।

परिणामों की घोषणा द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, प्रासंगिक रूप से, अदालत ने टिप्पणी की कि वीवीपीएटी में बिटमैप फाइलों छवियों में उम्मीदवारों और उनकी पार्टी के प्रतीकों के क्रम संख्या और नामों को फीड करने को एक दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर अपलोड करने के बराबर नहीं किया जा सकता है।

हर तरह की जालसाजी करता है चुनाव आयोग वह उसके पालन करवाने वाले

उम्मीदवार चुनाव प्रचार ना कर सकें, हर दिन सरकारी सभायें

सारे प्रत्याशियों को बुलवा घंटों सभायें व निर्देश दिये जाते रहते हैं।

भारत का चुनाव आयोग यथार्थ में सत्ताधीशों की कठपुतली बनकर अन्य प्रत्याशियों को नामांकन से लेकर चुनाव होने परिणाम घोषित होने के 6 महीने बाद तक लगातार परेशान करता रहता है।

ताकि अगली बार कोई भी चुनाव लड़ने की कोशिश ना करे और सत्ताधीश देश को नोच लूट बर्बाद करते रहें और कोई उनके ऊपर उंगली ना उठाये का षड्यंत्र है। इसके साथ ही सबसे महत्त्वपूर्ण बात है कि शासकीय स्तर पर जो पर्यवेक्षक भारतीय प्रताड़ना सेवा के अधिकारी एक राज्य से दूसरे राज्यो को में भेजे जाते हैं वे सभी अपने गंतव्य पर पहुंचते अवश्य परंतु अधिकांश समय घूमने फिरने बहुत मस्ती मालिश शराबखोरी करने के साथ गए भगाए अगर क्षेत्र में जांच करना निकल भी गए तो उन्हें सब कुछ अन्य प्रत्याशियों का ही नजर आता है सत्ताधीश प्रत्याशी उनकी आंख के काजल बन उनकी नजरों से दूर रहते हैं साथ ही शराब शबाब कबाब धन रुपया पैसा सभाएं धार्मिक सभाएं कार्यक्रम सत्ताधीश प्रत्याशियों की सभाएं मंदिरों, मठों, शासकीय शिक्षण संस्थानों के मैदानों कहीं पर भी होती रहे वह उन्हें दिखाई नहीं देगा बस अन्य दलों के वह निर्दलीय प्रत्याशियों के कार्यक्रम झंडे बैनर होर्डिंग पोस्टर ही नजरों में उनकी छुपाते हैं और उसे पर वह लगाम लगाने नोटिंग करने आयोग की कार्रवाई करने का षड्यंत्र करते रहते हैं जबकि दूसरी तरफ सट्टा 30 प्रत्याशियों के लिए धार्मिक कार्यक्रमव अन्य सभी प्रकार के दुष्कृत के षड्यंत्र करने की पूरी छूट रहती है उसके ऊपर किसी की कोई निगाह नहीं उठती। हाल ही में देखा कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी संजय शुक्ला को धार्मिक कार्यक्रम की पूरी तैयारी हो जाने और कार्यक्रम के संबंध में पूर्व से ही अनुमति लेने के उपरांत भी कार्यक्रम रद्द कर दिया गया था जबकि हाल ही में इंदौर में सनातनी मतों के ध्रुवीकरण से जीत के लिए न केवल कार्यक्रम आयोजित करने की पूरी छूट देने के साथ शासकीय पुलिस बल व अधिकारी गण सब एक साथ बागेश्वर धाम की कथा करवाने के लिए आईटीआई मैदान में लग रहा है और करीबन 500 से ज्यादा का पुलिस बलपंडालून से लेकर बाहर भी यातायात की व्यवस्था संभालने में लगा रहा। आखिर सर सरकारी तंत्र सेवाएं सुविधायें चुनावों के चलते आचार संहिता लगे होने के बाद में भी सरकारी तंत्र को अपने बाप की जागीर मान बिना किसी भुगतान के जनता को परेशान करता हुआ एक तरफा भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए धार्मिक कार्यक्रम करवा धार्मिक भावनाओं का उपयोग कर चुनाव जीतने का संयंत्र नहीं था तो और क्या है आखिर किस तरह से पूरा का पूरा शासकीय तंत्र चुनाव आयोग से लेकर जिले के कलेक्टर कमिश्नर एसपी डीएसपी आईजी डीजी तक सब जो कानून का पालन करने बैठ गए थे सब कानून का उल्लंघन कर मजाक उड़ाते हुए सत्ताधीशों के सामने दुम हिलाते घूमते नजर आते हैं और बाबा पंडित इसकी आड़ में करोड़ों रुपए की कमाई करके निकल जाते हैं।

कहां गया चुनाव आयोग उसकी आचार संहिता और जिलों के कलेक्टर जिन्हें इसका पालन करना चाहिए था आंख मीचकर दंडवत करते हुए सारे कानूनों का मजाक उड़ाते हुए सत्ताधीशों के सामने उनके गुलाम बन नाचते रह लोकतांत्रिक मूल्यों की दक्षिण में गिरते रहते हैं जबकि दूसरी तरफ निर्दलीय व अन्य दलों के प्रत्याशी अपना चुनाव प्रचार करने ना जाए जनसंपर्क ना करें और सत्ताधीशों के जीत में बाधक न हो इसलिए उनको लगातार पत्र भेजकर बुलाना कभी मशीन बंद की जा रही हैं कभी मशीन में बाहर भेजी जा रही हैं आपने कितना पैसा खर्च किया कहां खर्च किया कहां से आया था उन सब का हिसाब देना है किसी के खिलाफ कुछ बोलना नहीं है अपने बारे में भी आपके मुंह बंद रखना है आपको बताना है कि आप एक नंबर के गड्ढे हो चुनाव लड़ने लायक नहीं हो जो जलसा डकैत सट्टा दी सत्ता में बैठे हैं उनका चुनाव जीतने में आप कोई व्याधा उत्पन्न ना करें।

वैसे भी घोर मक्कार जालसाज जिलाधीश भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारी को इंदौर की जनता के साथ प्रदेश देश और दुनिया की जनता ने देखा। की किस प्रकार निर्दलीय प्रत्याशियों को बाहर करने इसी आशीष सिंह ने अपना नामांकन रद्द करने और वापस लेने के लिए फर्जी तरीके से किसी अन्य व्यक्ति से फॉर्म बुलवाकर जमा कर निर्दलीय प्रत्याशी झाला को बाहर कर दिया आखिर उसकी हस्ताक्षर बाहर कैसे गए फॉर्म कैसे साइन हुआ और कैसे बिना प्रत्याशी की उपस्थित हुए उसको स्वीकार कर लिया गया इस पर इसके लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी में आशीष सिंह जूनी इंदौर थाने में एफ आइ आर करवा कर कोर्ट में घसीटना चाहिए।

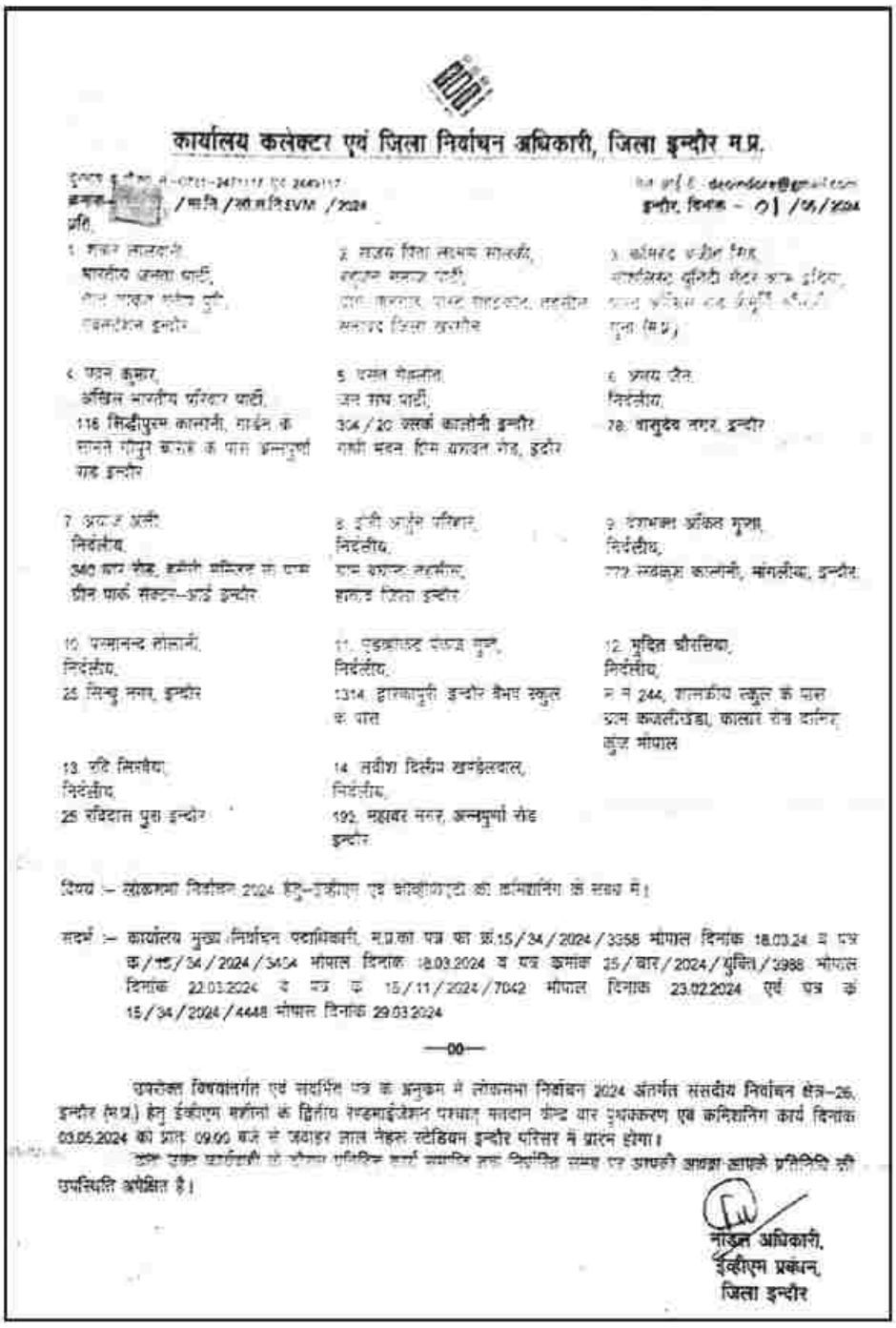

उच्च न्यायालय में बैठे न्यायाधीशों से सत्ताधीसों के विरुद्ध जाने की उम्मीद करना पूर्णता निरर्थक है। न्यायाधीशों के विरुद्ध भी अपने पद का दुरुपयोगकर लोकतंत्र का गलत होने के आरोप में राज्य व देश के बार काउंसिल, राष्ट्रपति को शिकायत की जानी चाहिए और उनके ऊपर भी मुकदमा लगाकर इनको ही जिस कटघरे में याची त्वरित न्याय पाने के लिए खड़ा हुआ था। उसी तरह याची को इस कटघरे में उन न्यायाधीशों को भी खड़ा करना चाहिए। क्योंकि कानून और संविधान देश के सभी नागरिकों पर एक समान एक जैसा लागू होता है।

बेशक वर्तमान में पूरे देश की न्याय प्रणाली सत्ताधीशों पूंजीपतियों की गुलाम बन उनके ईशारे पर नाच उनके हितों को साधते हुए लोकतंत्र की हत्या करने में अंध सहयोग कर रही है।

फिर वर्तमान में राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को तो तीन-चार महीने पूर्व से ही घोषित कर पूरा मौका दिया जाता है कि वह अपना चुनाव प्रचार प्रसार अपने क्षेत्र में जाकर हर तरीके से पर्याप्त समय के साथ कर सकते हैं जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों को तो मात्र नामांकन भरने के बाद अगले 4 दिन उसको अपने चुनाव चिन्ह को प्राप्त करने में लग जाते हैं।

उसके बाद उसे 10 से 12 दिन मिलते हैं। इस बीच उसे अपनी चुनाव प्रचार सामग्री, तैयार करने टीम बनाने में ही दो-तीन दिन का समय मिलता है और उस बीच जानबूझकर उनके चुनाव प्रचार को रोकने के लिए बार-बार चुनाव आयोग की प्रतिनिधि ग्रुप में बैठे जिलाधीश और उसका निर्वाचन अधिकारी बार-बार प्रत्याशियों को बुलाकर घंटों भूखे प्यासे बैठाकर चुनाव प्रचार करने से रोके रखता है।

जब चुनाव पूर्ण पारदर्शी है और होना चाहिए तो प्रत्याशियों वह उनके प्रतिनिधियों को आखिर जहां मशीन रखी है मशीन बंद की जा रही है क्लियर की जा रही है भेजी जा रही है के समय मोबाइल ना ले जाने देने मशीनों के नंबर नोट न करने देने रिकॉर्डिंग ना करने देने का औचित्य क्या है? या सभी जगह मोबाइल नंबर प्रतिबंध लगाने का उद्देश्य अपने सारे कुकर्मों, जालसाजियों को छुपाने दबाने का षड्यंत्र ही सिद्ध करता है, कि सारे चुनावी षड्यंत्रों के खेल कि केवल दिखावटी औपचारिकताएं पूरी की जाएं। करना तो वही है जो उनके आका चाहते हैं।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला इन्दौर म.प्र.

क्रमांक /मनि/सशनि/EVM /2024

इन्दौर, दिनांक – 01 /05/2024

प्रति,

1. शंकर लालवानी, भारतीय जनता पार्टी, इन्दौर
2. ... बहुजन समाज पार्टी ...
3. ...
4. ... कुमार, अखिल भारतीय परिवार पार्टी, 116 सिद्धीपुरम कालोनी ... इन्दौर
5. ... जन ... पार्टी, 304/20 ... कालोनी इन्दौर
6. ... निर्दलीय, 78, वासुदेव नगर, इन्दौर
7. ... निर्दलीय, 340 ... ग्रीन पार्क ... इन्दौर
8. ... निर्दलीय, ... जिला इन्दौर
9. ... निर्दलीय, ... कालोनी, ... इन्दौर
10. ... निर्दलीय, 25 सिन्धु नगर, इन्दौर
11. ... निर्दलीय, 1314 ... इन्दौर ... स्कूल के पास
12. मुदित चौरसिया, निर्दलीय, म.न. 244, शासकीय स्कूल के पास ... भोपाल
13. ... निर्दलीय, 25 रविदास पुरा इन्दौर
14. ... निर्दलीय, 192, ... नगर, अन्नपूर्णा रोड इन्दौर

विषय :– लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु–ईवीएम एवं वीवीपीएटी की कमिशनिंग के संबंध में।

संदर्भ :– कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, म.प्र.का पत्र का क्र.15/34/2024/3358 भोपाल दिनांक 18.03.24 व पत्र क्र./15/34/2024/3404 भोपाल दिनांक 18.03.2024 व पत्र क्रमांक 25/बार/2024/युक्ति/3988 भोपाल दिनांक 22.03.2024 व पत्र क्र. 15/11/2024/7042 भोपाल दिनांक 23.02.2024 एवं पत्र क्र. 15/34/2024/4448 भोपाल दिनांक 29.03.2024

—00—

उपरोक्त विषयांतर्गत एवं संदर्भित पत्र के अनुक्रम में लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र–26, इन्दौर (म.प्र.) हेतु ईवीएम मशीनों के द्वितीय रेण्डमाईजेशन पश्चात मतदान केन्द्र वार पृथक्करण एवं कमिशनिंग कार्य दिनांक 03.05.2024 को प्रातः 09.00 बजे से जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम इन्दौर परिसर में प्रारंभ होगा।

उक्त ... समय पर आपकी अथवा आपके प्रतिनिधि की उपस्थिति अपेक्षित है।

नोडल अधिकारी,
ईवीएम प्रबंधन,
जिला इन्दौर

सभी कार्य विभागों में चल रहा लूट का तांडव

पेज 8 का शेष

उसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती दूसरी तरफजब 70-80% टेंडर नीचे में जा रहा है तो टेंडर का कार्य दर्शाया कार्य करने की सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने व कार्य देने से पहले एसिड ठेकेदारो कंपनियो से विस्तृत बातचीत करके यह नहीं मालूम किया जाता कि आखिर जब 60-70% सामग्री की लागत है तो आप उसको 20 से 80% नीचे में कार्य करने पर क्यों सहमत हैं और जब सामग्री का बाजार मूल्य ही 50% से ज्यादा है, तो कार्य कैसे पूरा होगा के बारे में कोई जानकारी नहीं ली जाती और यह कार्य सभी विभागों में सभी मोटा धन ले दे कर वरिष्ठ पद के प्रभार में मासिक किस्तों पर बैठाये गये प्रभारी अधिकारी पिछले 8 सालों से धरने से करके मोटी कमाई कर रहे हैं।

उसमें चाहे फिर लोक निर्माण विभाग के इंदौर संभाग एक का प्रभारी कार्यपालन यंत्री मनोज सक्सेना हो संभाग 2 का एस एन सोनी हो विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग का बीके जैन हो, सेतु संभाग का प्रभारी दीपेश गुप्ता, वह इंदौर परिक्षेत्र के सभी संभागों के साथ उज्जैन परिक्षेत्र के उज्जैन संभाग का अहिरवार, शाजापुर रतलाम आगर मालवा नीमच मंदसौर विद्युत यांत्रिकीय का पंवार सेतु का अग्रवाल सभी इसी प्रकार भवन इंदौर परिक्षेत्र के दस से ज्यादा संभागों में उपयंत्री स्तर के पूर्व के पदोन्नत सहायक यंत्री प्रभारी कार्यपालन यंत्री संभाग भारी भ्रष्टाचार से मोटी कमाई कर मोटी इएमआइ पर वर्षों से संभाल रहे हैं। वही हाल अधीक्षण यंत्री और मुख्य अभियंता का भी है। यह सभी प्रभारी है। यही तरीका सभी विभागों में पदोन्नतियां न देकर मोटी वसूली के लिए प्रभारी बनाकर बैठना और उनसे मोटा भ्रष्टाचार करने की छूट देकर वसूली करने की कार्य पद्धति नर्मदा घाटी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, जल संसाधन आदि सभी विभागों में चलकर भ्रष्टाचार करवाया जा सभी मंत्री संत्री मोटी वसूली कर रहे हैं।

साप्ताहिक समय माया

सभी टीका लगवाने वाले बिल्कुल डरें नहीं

मन से भय निकाल चिंता मुक्त रह मस्ती से जिओ

प्रकृति का व सामान्य भाषा में जो डर गया वह मर गया यही कोरोना में भी हुआ था। यही वैक्सीन में भी हो रहा है। डरिये मत।

तत्काल विषैला पैकेज्ड फूड सेवन बंद करें, संयमित जीवन के साथ हल्का योग करे शरीर मे असामान्यता होने पर जांच कराये।

दूसरी तरफ 23 मार्च 2020 से मे एक ही बात कह रहा हूं हमारे देश के ऋषियो मुनियो पूर्वजो पुरखो ने जो हमारी रसोई घर मे मसाले रखे हैं। वह भोजन को स्वादिष्ट ही नही स्वास्थ्य वर्धक भी बनाते है।

यह हमारे पूर्वजो का हमारे लिए सबसे बड़ा वरदान है।

वह सब आयुर्वेदिक औषधियां है जिससे दुनिया की 90% बीमारियो का आसान तरीके से चिकित्सा की जा सकती है।

टीके का जहर एक नही दो बार तीन बार आपके शरीर मे पहुंचाया गया ताकि आप जीवन पर्यंत मृत्यु होने तक अपना पूरा जीवन बीमारियों से घिरे रहकर जीते रहे और अकाल मृत्यु को प्राप्त हो। एलोपैथिक डॉक्टरो का यह

कहना की जो भी होना था 45 दिन मे हो गया बकवास करते हैं। जो विष एक दो नही तीन बार शरीर मे पहुंचा कर रक्त से लेकर हृदय मस्तिष्क यकृत प्लिहा गुर्दे अंडकोष गर्भाशयसे लेकर अस्थियो जोड़ो और अस्थिमज्जा तक पहुंच चुका हो। वह जीवन पर्यंत मृत्यु होने तक बाहर नहीं हो सकता यह टीका 40 साल पूर्व नियोजित वन वर्ल्ड ऑर्डर के उस षड्यंत्र का बड़ा भारी विश्व की आबादी को खत्म करने का षड्यंत्र है।

इन सबके विपरीत भारत के आध्यात्म के मंत्रो, यंत्रो पूजा पाठ आदि भी जीवन को सुरक्षित करने से लेकर आयुर्वेद तक मनुष्य की जीवनचर्या को प्रकृति के अनुसार समायोजित कर चलाने के साथ हमारे भोजन की पध्दति भी हमको इन सब से सुरक्षित करती है।

अभी भी जो कोविशील्डसे रक्त के थक्के बनने की कहानी उठ रही है। बेशक उससे लाखों लोग प्रतिदिन मर रहे हैं। और 5 करोड़ लोग कोरोना मे मार डाले गए और 5 करोड़ लोग वैक्सीन लगाकर पिछले 4 सालो मे टपका चुके हैं। जिसका सच जानबूझकर बहुराष्ट्रीय कंपनियो से मोटा चंदा लेने के कारण भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के घर घूर्त जालसाज डकैत भारतीय प्रताड़ना सेवा के अधिकारी और खासतौर से मोदी जानबूझकर सन 2021 में जनगणना इसलिए नही करवाई गई थी ताकि कोरोना और उसके तक से करोड़ो लोगो की मौत की सच को दबाया और छुपाया जा सके। इस सच को मोबाइल कंपनियां बेहतर तरीके से जानती हैं। कि उनके कितने करोड़ मोबाइल 23 मार्च 2020 से 30 अप्रैल 2024 तक बंद हो चुके हैं। पर वह सारी मोबाइल कंपनियां केवल बीएसएनएल को छोड़कर जबकि वह भी भारत सरकार की ही है सब ने मोटा चंदा करोड़ो रुपए का अपनी कंपनी मे घाटा दिखाकर न केवल पीएम केयर फंड मे बल्कि इलेक्ट्रोरल बॉन्ड खरीद कर भी चुकाया है इसलिए वह सच नही बताएंगे।

दूसरी तरफ होम्योपैथिक औषधि यूना 200 जो सभी प्रकार के घातक टीको के प्रभाव को शरीर से खत्म कर शरीर को निरोगी बना देता है। जिसे मैं सफल प्रयोग कई टीका पीड़ितो पर कर उनकी नपुंसकता जोड़ो के दर्द दूर करने से लेकर अपने ही स्टाफ की महिला को मौत के मुंह से निकाल कर लाया हूं।

उसे महिला कर्मचारी को क्योंकि टिक ना लगने के कारण राशन मिलना बंद हो गया था और उसके बच्चे जब-जब राशन लेने जाते थे तो राशन की दुकान वाला उन बच्चो को भारी प्रस्तावित करता था और वह बच्चे आकर मां से लड़ते थे एक दिन घर से आते समय ताव ताव में एमआईजी थाने के सामने खड़ी नगर निगम की वेन से टीके का प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उन्होंने टीका लगवा लिया। टीका लगने के एकदम 15 मिनट के बाद कार्यालय तक आते-आते उनका पूरा शरीर बूढ़ो की तरह कांपने लगा था और दिमाग घूम रहा था। पूछने पर बताया कि मैं टीका लगवा लिया है तो मैं का कुछ परेशानी तो धीरे से लड़खड़ाते हुए बोली नही कर कोई परेशानी नही और जैसे ही धम्म से कुर्सी पर बैठ सिर पकड़ कर बैठ गई। पहले से ही उच्च रक्तचाप की शिकायत थी मैंने तुरंत पूजा की चार गोली ढक्कन में डालकर उनके मुंह में डाली। **(शेष पेज 2 पर)**

सभी कार्य विभागों में चल रहा लूट का तांडव

ऑनलाइन इ-टेंडरिंग में 2-5 से लेकर 70-80% तक काम, आपूर्ति नीचे में जबकि छोटे कार्यो में ऑफलाइन में 2-5 से 70-80% तक अधिक दरों पर

मध्य प्रदेश मे ऑनलाइन टेंडर घोटालाजो लगभग डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा का था। सन 2012 में आई-टेंडिंग का कार्य शुरू होने के साथ ही शुरू हो गया था और अभी भी बेखौफ चल रहा है। आखिर क्यो सारे बड़े सैकड़ो करोड़ से हजारो करोड़ के टेंडर जो कि लोक निर्माण विभाग की भवन एवं पथ, भवन, सेतु, मप्र सड़क डकैती विकास निगम, मध्य प्रदेश भवन निर्माण कॉरपोरेशन के साथ, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग व उसके मध्य प्रदेश जल निगम, जल संसाधन विभाग, नर्मदा घाटी, कमांड एरिया डेवलपमेंट अथारिटी, मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मंडल, मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, पुलिस गृह निर्माण मंडल, मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग व उसकी तकनीकी शाखा, ऊर्जा विभाग के सभी कंपनियां यथा वितरण, पारेषण, उत्पादन के सभी संभागों, पुलिस, वन, कृषि, उद्यानिकी, वाणिज्य कर, श्रम, उद्योग, प्रदूषण, परिवहन, शिक्षा, आदिम जाति, महिला एवं बाल विकास, आबकारी, सभी विकास प्राधिकरणों, विभाग के साथ ही सभी 12 नगर निगमो, पालिकाओं परिषदों, ग्रामीण विकास व उन सभी विभागों मे जहां निर्माण मरम्मत रख रखाव, आपूर्ति, खरीदी, बाह्य सेवाये ली जाती हैं। सब में यह भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर होता है। और जब बात की जाती है यह सूचना के अधिकार मत जानकारी मांगी जाती है तो सारे भ्रष्ट हरामखोर जालसाज वहां बैठे अधिकारी कर्मचारी बड़ी मासूमियत से जवाब देते हैं। नही अब हमारे हाथ मे कुछ नही रह गया है। सारा काम ऑनलाइन इ-टेंडरिंग से होता है। इसलिए हमारा कोई लेना-देना नही है हां इनका लेना देना ई टेंडरिंग से नही होता है। क्योंकि सारा खेल मुख्यालय स्तर पर भोपाल मे ही लेनदेन कर हो जाता है। पर महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि टेंडर ऑनलाइन होने पर वह पूरे विश्व को दिखते व भरे जाते हैं। इसके विपरीत वह खास लोगो उनकी फर्म हुआ कंपनियों को ही मिल पाते हैं। साथ ही जब ऑनलाइन टेंडिरिंग की प्रक्रिया होती है। तो वहां सभी कार्य विभागों की इ-टेंडरिंग में अधिकांश स्टैंडर्ड 2-5% से लेकर 70-80% तक कम दरो में जाते हैं। तो सबाल यह उठता हैकि आखिर विस्तृत परियोजना आंकलन यह डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट किस आधार और किन दरो पर बनाई गई थी। बेशक निजीकरण के दौर में अब प्रस्ताव से लेकर सर्वे, डीपीआर सब का भी अब निजीकरण हो गया है। अब विभागीय उप यंत्री व सहायक यंत्री प्रस्ताव आने के बाद, उसकी उपयोगिता, आवश्यकता, लागत, खर्च और रखरखाव के खर्च वह उससे मिलने वाले लाभों के बारे में आंकलन करने बनाने का कर भी नही करते है वह काम भी अब मंत्रियों संत्रियों और ज्यादा कमीशन देने वाली फर्मो कंपनियों के हवाले कर निश्चित मात्रा की परियोजना की कुल लागत के 1 से 5% तक कमीशन पर तैयार की जाती है। स्वाभाविक है की जितनी ज्यादा लागत दिखाएगा उतना ज्यादा मोटा कमीशन आएगा और बांटा जाएगा के आधार पर सभी कार्यो की डीपी आर तैयार की जाती है। यही कारण है कि इ-टेंडरिंग के समय ज्ञानी ध्यानी यह समझदार ठेकेदार उसको 2-5% कम लेने से लेकर 70-80% तक कम पर टेंडर खोले जाते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि आखिर कार्य की दरो मे 60-70% तक वास्तविक कार्य को पूरा करने चाहे वह निर्माण, मरम्मत आदि कार्यों में सामग्री की लागत होती है। दोनो ही स्थितियों में प्रस्तावक के बाद सर्वे और डीपीआर बनाने के काम को जिस फर्म इंजीनियर या कंपनी ने किया था **(शेष पेज 6 पर)**

साप्ताहिक
समय माया
samaymaya.com

करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत

साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व samaymaya.com की वेबसाइट पर समाचार, शिकायतें और विज्ञापन (प्रिंट एवं वीडियो) के लिए संपर्क करें

मप्र के समस्त जिलों में एजेंसी देना है एवं संवाददाता नियुक्त करना है

मो. 9425125569 / 9479535569

ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958